Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 84, गुरुवार, 19 अप्रैल 2018, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मुरादाबादः तेज स्पीड से आ रहे ट्रक की चपेट में आए तीन मजदूर, तीनों की मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में कटघर बाईपास पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर पैदल जा रहे तीन मजदूरों को कुचल डाला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले तीनों की मौत हो चुकी थी। आधार कार्ड के जरिए तीनों की पहचान संभल गेट चंदौसी के निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने मृतकों के परिवार वालों को सूचना दे दी है। घटना से मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।

कैब में महिला के साथ गंदी हरकत करने लगा ड्राइवर, इस तरह बची जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में पुलिस ने एक कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है। ड्राइवर पर आरोप है कि वो महिला यात्री के सामने गंदी हरकत कर रहा था। महिला ने इसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। ये पूरा मामला दरअसल 15 अप्रैल का है। महिला यात्री का आरोप है कि उसने ऑफिस के घर जाने के लिए उबर कैब बुक की थी। कैब में बैठने के बाद ड्राइवर उससे छेड़छाड़ करने लगा। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसने गाड़ी की स्पीड तेज कर दी और मास्टरबेट करने लगा। इन सबसे घबराकर महिला ने पैनिक बटन दबा दिया, जिसके बाद कैब जनपथ स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय के पास रुक गई। ड्राइवर ने महिला को वहीं उतारा और वहां से भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने ड्राइवर की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि ड्राइवर का लाइसेंस भी फेक था। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर उसे ज्यूडिशल कस्टडी में भेज दिया है।

दरिंदगी की हदें पारः युवती को बंधक बना दो महीने तक किया बलात्कार

मुजफ्फरपुर। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के सिविल लाइंस इलाके में एक घर के तहखाने में बंधक बना कर रखी गई 23 साल की महिला से करीब दो महीने तक दो व्यक्तियों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। थाना प्रभारी डी के त्यागी ने आज बताया कि पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसे दो महीने तक उस स्थान पर रखा गया और एक व्यक्ति तथा उसके अंकल ने उससे दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि महिला एक फरवरी को किसी तरह घर से भागने में सफल रही। पुलिस ने आरोपी और उसके अंकल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि उसका अंकल फरार है और उसे पकड़ने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। देश के कई हिस्सों में बलात्कार के मामलों को लेकर फैले आक्रोश के बीच यह घटना सामने आयी है।

नव नियुक्त सचिव ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की नव नियुक्त सचिव रश्मि सिंह ने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। वह पूर्व सचिव चंचल यादव की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रश्मि सिंह पहले भी एनडीएमसी में निदेशक पद पर रह चुकी हैं। उनका तबादला सोमवार को ही हुआ है। चंचल यादव को दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में उपायुक्त पद पर भेजा गया है। सचिव रश्मि सिंह दिल्ली के बाहर अंडबार निकोबार में भी कई विभागों का कार्यभार देख चुकी हैं। राजधानी के प्रख्यात लेडी श्रीराम कॉलेज से उन्होंने स्नातक किया है। इसके बाद पढ़ाई के लिए वह विदेश चली गयी थीं। रश्मि सिंह को वर्ष 2006 में ''स्त्री शक्ति' अवार्ड, वर्ष 2010 में मिशन कर्न्वजेन्स पुरस्कार मिल चुका है।

खाद्य सचिव के आर मीणा का तबादला

नई दिल्ली। खाद्य विभाग के प्रधान सचिव के आर मीणा का मंगलवार को तबादला कर दिया गया। उनके कार्य को लेकर मुख्यमंत्री लगातार टिप्पणी कर रहे थे व भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उपराज्यपाल ने सोमवार को जांच के आदेश दे दिए जिसके बाद मंगलवार को आर के मीणा को भूमि व भवन विभाग का सचिव बना दिया गया। अब खाद्य विभाग के सचिव पद पर मोहनजीत सिंह को तैनात किया गया है।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी ने पेपर लीक के बाद रद्द किया गणित और समाजशास्त्र का एग्जाम

गोरखपुर (एजेंसी)। पर्चा लीक होने के संदेह में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों का पर्चा निरस्त कर दिया गया। इस बार पर्चा लीक होने की बात फैली बीए द्वितीय वर्ष समाज शास्त्र प्रथम प्रश्नपत्र की। मंगलवार को ही दूसरी पाली में इसकी परीक्षा होनी थी, पर यह खबर फैल गई कि इसका पर्चा लीक हो गया है। सोमवार को बीएससी/बीए गणित का पर्चा आउट होने के संदेह में परीक्षा निरस्त कर दी गई थी।

कुलपति प्रो.वीके सिंह ने मंगलवार को कहा कि पेपर लीक नहीं हुआ है, लेकिन परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए परीक्षा स्थगित करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए प्रति कुलपति की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कुलपति ने बताया कि स्थगित परीक्षाओं की नई तिथि की घोषणा 19 अप्रैल को होगी। वहीं, मंगलवार को परीक्षा नियंत्रक डॉ अमरेंद्र सिंह की तहरीर पर पुलिस ने पर्चा लीक मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। डीडीयू के कुलपति प्रो. वीके सिंह ने कहा कि केवल बीएससी गणित का पर्चा आउट हुआ है। समाजशास्त्रस्त्र का पर्चा लीक नहीं हुआ हैं। उधर परीक्षा की शुचिता और विद्यार्थी हित को महत्व देते हुए विवि ने मंगलवार को अलग अलग पालियों में होने वाली इन परीक्षाओं को जांच रिपोर्ट आने तक स्थगित कर दिया था। स्थगित परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा 19 अप्रैल को की जाएगी। उधर, विवि के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि सोमवार की शाम कतिपय प्रनपत्रों के वायरल होने की खबरों पर गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह ने देर रात ही जिम्मेदार अधिकारियों के साथ स्थितियों की समीक्षा की। इस प्रकरण पर सम्यक जांच कराने तथा ऐसी गड़बड़ियों की संभावनाओं पर रोक लगाने की रणनीति पर विचार विमर्श किया। मंगलवार को विवि में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान भी उन्होंने इस प्रकरण पर समीक्षा की और अनेक निर्देश जारी किये।

प्रो. सिन्हा ने बताया कि मंगलवार की सुबह कुछ समाचार माध्यमों में सायं सत्र में होने वाली बी ए द्वितीय वर्ष के समाज शास्त्र प्रथम प्रनपत्र के वायरल होने की खबरों पर विवि ने उस परीक्षा को भी स्थगित कर दिया हालांकि बाद में जांच में यह गलत पाया गया। उन्होंने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि परीक्षाओं की शुचिता पर सवाल खड़ा करने के लिए समाज शास्त्र के किसी पुराने पेपर के कुछ पन्ने वायरल किये गए हों।

प्रति कुलपति प्रो. एसके दीक्षित की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। इनमें गणित विभाग के हेड प्रो. विजय कुमार श्रीवास्तव, प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव, कामर्स फेकेल्टी के प्रो.अजेय कुमा गुप्ता व परीक्षा नियंत्रक डा. अमरेन्द्र कुमार सिंह शामिल हैं। समिति ने प्रथम दृष्टया जांच में पाया है कि समाज शास्त्र का पर्चा आउट नहीं है। केवल संदेह में परीक्षा की शुचिता को बनाये रखने के लिए स्थगित की गई है।

विवि प्रशासन ने मंगलवार को इस प्रकरण में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ कर दी। कुलपति प्रो. सिंह ने विवि परिक्षेत्र के सभी जनपदों के जिलाधिकारियों तथा पुलिस प्रमुखों को एक विशेष पत्र भेजकर इस बाबत सक्रिय निगरानी का भी अनुरोध किया है।

राहत : ऑटो-टैक्सी चालकों को अब नहीं होगी कर्मशियल ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क और परिवहन मंत्रालय ने कर्मशियल वाहन चालकों को बड़ी राहत दी है। अब टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा और दो पहिया चालकों को कमर्शियल लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस संबंध में एडवाइजरी की है। सरकार के इस फैसले से लाखों टैक्सी, ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और दूसरे ड्राइवरों को राहत मिलेगी। बिना गियर वाली मोटरसाइकिल, गियर वाली मोटरसाइकिल, लाइट वेट कार, ई-रिक्शा ऑटो-रिक्शा के लिए ये छूट दी गई है। केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने दिल्ली समेत सभी राज्यों के परिवहन प्राधिकरणों को यह व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया है। आदेश में सेंट्रल मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के सेक्शन 2(21) का हवाला दिया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि निजी लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंसधारी 7500 किलोग्राम तक के वजन वाले गुड्स (व्यवसायिक वाहन) व्हीकल चला सकते है। आपको बता दें कि अभी किसी भी तरह के पैसेंजर्स व्हीकल या फिर हल्के व भारी व्यवसायिक वाहन को चलाने के लिए कार्मिशियल ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) की जरूरत होती है। कार्मिशियल लाइसेंस पहले एक साल सामान्य डीएल बनने के बाद ही बनवाया जा सकता है।

फतेहपुर में दलित को बंधक बना पीट-पीट कर मार डाला

फतेहपुर (एजेंसी)। फतेहपुर में चोरी के आरोप में दबंगों ने दलित की पीट-पीट कर हत्या कर दी । जाफरगंज के एक ईंट भट्ठा मालिक व साथियों ने दलित को अगवा किया था।

चोरी का राज उगलवाने के लिए हाथ पैर बांध कर उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। मरणासन्न हालत में बुधवार को एक सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एक नलकूप से मुक्त कराया था, अस्पताल ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत हो गई।

आरोपी ईंट भट्ठा मालिक पुलिस हिरासत में है। घटना से तनाव को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल मुस्तैद किया गया है।

जाफरगंज के घेरा गांव निवासी सोहनलाल उर्फ भगत रैदास (34) सोमवार को दिन में किसी काम के लिए गांव के ईंट भट्ठे पर गया था। उसी शाम पड़ोसी गांव बिंदौर के ईंट भट्ठा मालिक शक्ति सिंह अपने साथी के साथ उसे घर से अपने साथ ले गए। भगत रैदास के शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजन बिंदौर पहुंचे जहां से उनको भगत को अगले दिन भेजने की बात कह कर वापस कर दिया। मंगलवार को भी जब भगत के वापस नहीं लौटा तो दोबारा परिजन शक्ति सिंह के घर पहुंचे, उनको फिर किसी काम से भगत को बाहर भेजने की बात कह वापस कर दिया। बुधवार सुबह परिजनों को जानकारी मिली कि शक्ति सिंह ने चोरी के आरोप में भगत को अपने निजी नलकूप में बंधक बनाकर रखा है। परिजन नलकूप जा रहे थे लेकिन दबंगों ने उन्हें रास्ते से वापस कर दिया।

आशंका पर परिजनों ने 100 नंबर पर पुलिस को मामले की जानकारी दी। चांदपुर थाने की पीआरवी की टीम नलकूप में पहुंची। पुलिस की गाड़ी रुकते ही नलकूप से निकल कर शक्ति सिंह व उसके दो साथी भागने लगे। पुलिस ने शक्ति सिंह को दौड़ा कर पकड़ लिया। नलकूप के अंदर दाखिल होने पर पुलिस स्तब्ध रह गई। भगत रैदास वहां मरणासन्न हालत में पड़ा है, उसके हाथ पैर रस्सी से बंधे हुए थे। पुलिस वालों ने अफसरों को सूचना दी और नाजुक हालत उसे लेकर अस्पताल के निकली लेकिन रास्ते में ही भगत की सांसे थम गईं। सीएचसी बिंदकी में डॉक्टर ने भगत को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक जाफरगंज अरविंद कुमार ने बताया कि ईंट भट्ठे में दो दिन पहले नशे की हालत में शक्ति सिंह की चेन चोरी हो गई थी। उसी आशंका पर ईंट भट्ठा मालिक और उनके साथियों ने भगत को बंधक बनाकर पिटा जिसके उसकी मौत हो गई।

पुलिस से भिड़ा भट्ठा मालिक

नलकूप से भागते समय ईंट भट्ठा मालिक शक्ति सिंह को पीआरवी के सिपाही मुकेश यादव, लाल विनोद सिंह व दीवान अंगद ने उसे दौड़ा का पकड़ लिया। इस पर वह सिपाहियों से भिड़ गया और गुत्थम गुत्थी करने लगा। पुलिस के शिकंजा कसने पर उसने गाली गलौज करते हुए देख लेने की धमकी दी।

घर का अकेला था भगत रैदास

दबंगों की बेहरमी का शिकार हुआ

भगत रैदास अपने घर का अकेला था। गरीब परिवार में बुर्जुग पिता सूरज प्रसाद व मां पुकराती लंबे समय से बीमार चल रहे हैं, दोनों चारपाई से नहीं उठ पाते है। भगत रैदास के पत्नी की आठ साल पहले मौत हो चुकी है। उसके तीन बेटे आशीष मनीष और अनीष हैं। पूरे परिवार की जिम्मेदारी भगत के कंधों पर थी।

पत्नी को गोली से उड़ा

चुका है शक्ति

दलित पर कहर बरपाने वाला ईंट भट्ठा मालिक शक्ति सिंह अपराधिक प्रवृत्ति का बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि वह शराब का लती है। नशे बाजी के विरोध में वह 2011 में अपनी पत्नी की गोली मार कर हत्या कर चुका है। वह कई साल जेल में रहने के बाद बाहर आया था।

अलीगढ़ः ट्रेन के टकराने से महिला के कटे दोनों पैर, 45 मिनट तक प्लेटफॉर्म...

अलीगढ़ (एजेंसी)। ट्रेन की चपेट में आकर महिला के पैर कट गए। महिला पैर कटने के बाद 45 मिनट तक प्लेटफार्म पर ही तड़पती रही। लेकिन स्ट्रेचर लाने में ही जीआरपी को आधे घण्टे से अधिक का समय लग गया। इसके बाद 108 एंबुलेंस से महिला को 50 मिनट बाद मेडिकल के लिए रेफर किया गया। बुधवार की दोपहर साढ़े बारह बजे दुलारी देवी निवासी हरदुआगंज अपनी बहु ममता के साथ टूंडला जाने के लिए स्टेशन पहुंची थी। दोनों प्लेटफार्म नंबर दो पर ईएमयू ट्रेन का इंतजार कर रही थी। लेकिन इसी बीच ट्रेन के प्लेटफार्म में बदलाव किया गया। जिसके चलते दोनों प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुँच गए। इसी बीच दुलारी देवी लघुशंका करने के लिए प्लेटफार्म से पटरी पर उतरी। इसी दौरान नॉनस्टॉप गरीबरथ ट्रेन आ गयी। ट्रेन आते देख दुलारी देवी ने आनन फानन में प्लेटफार्म पर चढ़ने का प्रयास किया। लेकिन शरीर भारी होने के कारण वह प्लेटफार्म पर नही चढ़ सकी। प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने जैसे ही दुलारी देवी को प्लेटफार्म पर चढ़ाने का प्रयास किया इसी दौरान दुलारी देवी के पैर ट्रेन की चपेट में आकर चीथड़े उड़ गए। लेकिन यात्रियों ने महिला के हाथ नही छोड़े और उसे प्लेटफार्म पर खींच लिया। इसके बाद महिला को प्लेटफार्म पर ही लेटा दिया गया।

यात्रियों ने इसकी सूचना जीआरपी को दी। लेकिन समय से न तो प्लेटफार्म पर स्ट्रेचर पहुंचा और न ही जीआरपी। इसके बाद आरपीएफ के उप निरीक्षक प्रदीप यादव मौके पर पहुंचे और 108 को सूचना दी। इस प्रक्रिया में करीब 45 मिनट का समय लगा। जिसके चलते महिला प्लेटफार्म पर ही तड़पती रही। वहीं महिला के साथ आई बहु ममता का रो रोकर बुरा हाल था। 108 एंबुलेंस से महिला को मेडिकल के लिए रेफर कर दिया गया है।

डॉक्टरों ने दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए मांगा न्याय

धरनास्थल पर पहुंच कर किया मालीवाल का समर्थन

नई दिल्ली। दुष्कर्म पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पिछले पांच दिन से अनशन कर रही दिल्ली महिला आयोग (डीएमसी) की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने समर्थन दिया है। केंद्र सरकार से स्पेशल कोर्ट बनाने की मांग की। शाम राजघाट स्थित धरना स्थल पर एम्स रेजीडेंट्स डाक्टर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में 10 सदस्यीय डाक्टरों के समूह ने मालिवाल से मुलाकात कर देश भर में हो रहे दुष्कर्मो की घटनाओं के खिलाफ साथ साथ आंदोलन करने की और आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के दृढसंकल्प को दोहराया।

»» दाह संस्कार का प्रमाणपत्र भी जारी

लापरवाहीः यूपी में जिंदा शख्स को दिखा दिया मृत,

देवरिया (एजेंसी)। देवरिया में सरकारी दस्तावेज में एक व्यक्ति को जीते जी मृत दिखा दिया गया। यही नहीं उसके नाम से श्मशान घाट से दाह संस्कार का प्रमाणपत्र भी जारी करा दिया गया। इस मामले की जानकारी होने पर उक्त व्यक्ति ने जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नकटापार गांव के गोसाई टोला निवासी स्व.शिवटहल के दो पुत्र रामबचन और रामदेव हैं।

रामदेव की पत्नी लक्ष्मीनिया की मौत हो चुकी है। बड़ी बेटी तारा बचपन में ही मर गई थी। रामदेव की इकलौती पुत्री पन्ना है, जिसका विवाह उन्होंने महराजगंज जनपद के सोनाड़ी खास गांव निवासी शंकर से किया है। रामदेव का गांव में करीब 35 कट्ठा खेत है। घर पर अकेले रामदेव परेशान रहते थे, जिसके चलते करीब नौ माह पूर्व उनकी पुत्री पन्ना अपने घर लेकर चली गई। जहां वह पिता की सेवा करती है।

कुटुम्ब रजिस्टर में 25 अगस्त 2017 को रामदेव को मृत घोषित कर दिया गया। इतना ही नहीं बरहज के मुक्तिमार्ग सेवा संस्थान द्वारा गौरा-कटईलवा द्वारा उनके अन्तिम संस्कार का भी प्रमाण जारी करा लिया गया।

इसकी जानकारी होने पर रामदेव ने मंगलवार को तहसीलदार के पास पहुंच कर गुहार लगाई। तहसीलदार ने मामले की जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

खेत बैनामा करने पहुंचे तो खुली पोल

रामदेव को अपनी जरूरत से कुछ खेत बेचना था। इस सबंध में जब जरूरी प्रक्रिया अपनाने तहसील पर पहुंचे तो उन्हें खुद को कुटुम्ब रजिस्टर में मृत दिखाए जाने की जानकारी मिली। रामदेव के अनुसार कुछ लोग उन्हें मृत दिखा कर उनकी पैतृक संपत्ति हथियाना चाहते थे, लेकिन इसी बीच भेद खुल गया। मंगलवार को रामदेव ने गांव की फूला को 11 कट्ठा जमीन का बैनामा किया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई-तहसीलदार

तहसीलदार सूर्यभान गिरि ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है। इसकी जांच

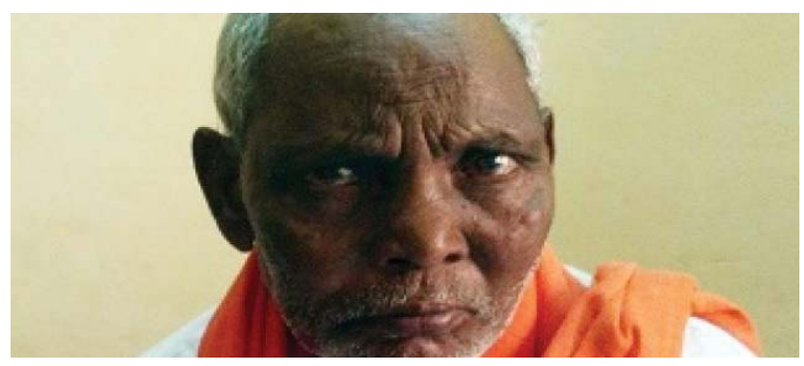

कर रिपोर्ट देने के लिए कानूनगो को निर्देश दे दिया गया है। मामले में साक्ष्यों की जांच करने के साथ ही गांव के लोगों का भी बयान लिया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पानी में तेल, दुर्जन में गुप्त बात, सत्पात्र में दान और विद्वान व्यक्ति में शास्त्र का उपदेश थोड़ा भी हो, तो स्वयं फैल जाता -चाणक्य

मक्का मस्जिद विस्फोट

हैदराबाद की मक्का मस्जिद विस्फोट मामले में आरोपितों का बरी होना एक साथ कई बातों का द्योतक है। न्यायालय ने कहा कि अभियोजन पक्ष एक भी आरोपित के खिलाफ ऐसा सबूत पेश नहीं कर सका जिससे माना जाए कि वाकई उस विस्फोट में उनकी भूमिका थी। यह एनआईए की भूमिका पर एक कड़ी टिप्पणी है। 18 मई 2007 को हुए विस्फोट में 9 लोग मारे गए एवं 58 घायल हुए थे। वस्तुत: यह एक बड़ा विस्फोट था किंतु बम संगमरमर की बेंच के नीचे रखे जाने से ज्यादा क्षति नहीं पहुंच सकी, अन्यथा जुम्मे की नमाज के समय जितनी संख्या में लोग उपस्थित थे, उसमें काफी लोगों की जानें जा सकती थीं। पुलिस ने बाद में तीन जिन्दा बम और बरामद किया था। वास्तव में उसके पीछे एक बड़ी साजिश थी। ऐसे मामले में यदि 11 वर्षो बाद भी कोई साजिशकर्ता जांच एजेंसियों के हाथ नहीं लगा तो यह अत्यंत ही चिंता का विषय है। जब आतंकवादी मामलों पर भी राजनीतिक हावी होने लगेगी तो परिणाम ऐसा ही आएगा। आरंभ में जब जांच पुलिस के हाथों थी, 38 लोगों को हिरासत में लिया गया और स्थानीय पुलिस आयुक्त ने इसमें हुजी के हाथ होने की बात कही। यूपीए सरकार ने मामले को सीबीआई को सुपुर्द किया और बाद में उसे एनआईए को सौंप दिया गया। यह वही समय था, जब यूपीए सरकार की तरफ से संगठित हिन्दू आतंकवाद या भगवा आतंकवाद की खूब चर्चा हो रही थी। मक्का मस्जिद से लेकर अजमेर दरगाह, समझौता एक्सप्रेस एवं मालेगांव विस्फोटों के पीछे हिन्दू आतंकवाद का हाथ बताया जाने लगा था। दुर्भाग्यवश जांच भी इसी दिशा में चली गई। जब नवम्बर 2010 में स्वामी असीमानंद को गिरफ्तार किया गया तो बताया गया कि हमले का मास्टर माइंड यही था। पहले सीबीआई और बाद में एनआईए ने हिन्दू संगठनों से जुड़े लोगों पर ही फोकस किया। उसने 166 लोगों की न्यायालय में गवाही करवाई। किंतु सरकार बदलने के साथ गवाह पलटने लगे। 54 मुख्य गवाहों ने बयान दिया कि उनसे जबरन धमका कर बयान लिया गया था। न्यायालय के फैसले के बाद यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि पूरे मामले को ठोस तयों और सबूतों के आधार पर आगे बढ़ाने की जगह फर्जी सबूत एवं कथानक बनाए गए जो अंतत: अदालत में ध्वस्त हो गए। किंतु उस हमले का कोई न कोई अपराधी तो है। देश को वह असली अपराधी चाहिए। जरूरी है कि एनआईए असल गुनहगार को कठघरे में खड़ा करे।

मॉनसून की अनिश्चितता

राहत भरी खबर है। मौसम विभाग ने इस खरीफसीजन के लिए सामान्य मॉनसून की संभावना जताई है। इसका सीधा और सामान्य सा अर्थ है कि देश भर में झमाझम बारिश होगी, जिससे आर्थिक वृद्धि में ज्यादा तेजी आएगी। विभाग ने कहा है कि बारिश की संभावना 97 फीसद है। वैसे पिछले साल भी सामान्य मॉनसून की संभावना मौसम विभाग ने जताई थी, लेकिन 15 फीसद जिलों में बाढ़ आई तो 38 फीसद जिले सूखे रहे थे। वहीं 640 जिलों में से सिर्फ 40 फीसद सामान्य बारिश हुई थी। हालांकि अभी कुछ भी आशंका जताना सही नहीं होगा, फिर भी मॉनसून की भविष्यवाणी का फायदा उठाने के लिए देश के हर एक ब्लॉक में मॉनसून मैनजमेंट (प्रबंधन) की व्यवस्था होना बेहद जरूरी है ताकि खराब मॉनसून से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। वैसे सामान्य मॉनसून के एलान से शेयर बाजार झूम उठा है, किंतु किसानों के साथ-साथ देश का हरेक तबका तभी जश्न मनाएगा जब बारिश अच्छी और अपने लय में हो। चूंकि कृषि का अर्थव्यवस्था में सीधा योगदान है। इसलिए अर्थव्यवस्था को मजबूती मॉनसून से ही मिलती है। वैसे भी देश की कृषि निर्भर दो अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए बारिश किसी अमृत से कम नहीं है। देश में आधी से ज्यादा खेती बारिश पर निर्भर रहती है। सो जहां सिंचाई के साधन नहीं हैं, वहां बारिश होने से फसल अच्छी होगी। जहां सिंचाई के साधन हैं, वहां समय पर अच्छी बारिश से किसानों को नलकूप नहीं चलाने पड़ेंगे। डीजल की बचत होगी। कहने का तात्पर्य है कि उनकी लागत बढ़ेगी। कुल मिलाकर अच्छे उत्पादन से न केवल किसानों को फायदा होगा बल्कि सरकार भी राहत की सांस लेगी। इससे पहले 2016 में सामान्य मॉनसून आया जबकि 2014 और 2015 में लगातार दो खराब मॉनसून के बाद देश का समग्र विकास प्रभावित हुआ। मोदी सरकार का यह अंतिम साल है। इस लिहाज से बेहतर बारिश से बाकी सेक्टर्स की तरह सरकार का लय-ताल भी सधेगा। हाल के वर्षो में मॉनसून की अनिश्चितता ने हर किसी को परेशान किया है। खासकर अन्नदाताओं को ज्यादा मायूसी हुई है। इस नाते बारिश के पानी को बेहतर और समझदारी के साथ इस्तेमाल और भंडारण भी एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। भूजल वैज्ञानिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं को तारतम्यता के साथ आगे बढ़कर इसे मजबूती देनी होगी।

घोटालों की खबरें

कुछ समय पहले तक छोटा माना जानेवाला कोटक महिंद्रा हैसियत में स्टेट बैंक से आगे निकल गया है। इन सवालों के जवाब तलाशने निकलें, तो कुछ और महत्त्वपूर्ण सवाल खड़े हो जाते हैं; जिनके जवाब तलाशना बहुत जरूरी है। उसी से भारत की वित्तीय व्यवस्था की बदतरी और बेहतरी के मसले जुड़े हैं। भारत की वित्तीय व्यवस्था बहुत तेजी से बदल रही है। कुछ साल पहले आये एक इलेक्ट्रानिक वालेट पेटीएम की ग्राहक संख्या करीब तीस करोड़ है। पेटीएम अगर देर सबेर पूरा कामर्शियल बैंक बन गया, जैसे स्टेट बैंक या कोटक महिंद्रा हैं, तो बैंकिंग की दुनिया में विकट उथल-पुथल होनी तय है। इस उथल-पुथल का सबसे पहले निशाना बनेंगे सरकारी बैंक। वित्तीय तकनीक और आधार कार्ड के विशेषज्ञ नंदन निलकेनी का अंदाज है कि आनेवाले दस सालों में सरकारी बैंकों का बैकिंग कारोबार में हिस्सा 10 प्रतिशत रह जायेगा।

सतीश पेडणोकर

बड़ी नहीं, बहुत बड़ी खबर है कि एक मंझोले निजी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को कीमत के मामले में पीछे छोड़ दिया है। यानी कोटक महिंद्रा बैंक की कीमत शेयर बाजार में स्टेट बैंक से ज्यादा हो गयी है। 17 अप्रैल, 2018 को बंद हुए शेयर बाजार के हिसाब से पूरे स्टेट बैंक को करीब दो लाख 21 हजार करोड़ रुपये में खरीदा जा सकता था, जबकि कोटक महिंद्रा बैंक को खरीदने के लिए इससे ज्यादा यानी दो लाख 22 हजार करोड़ रुपये की दरकार होगी। कीमत के लिहाज से देश का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक है, जिसे खरीदने के लिए बाजार में करीब पांच लाख सात हजार करोड़ रुपये की कीमत अदा करनी होगी। गौरतलब है कि एचडीएफसी बैंक की कीमत में दो स्टेट बैंक खरीदे जा सकते हैं, फिर भी कुछ रकम बची रह जायेगी। पिछले एक साल में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर के भाव करीब 33 प्रतिशत बढ़े हैं जबकि स्टेट बैंक के भाव 14 प्रतिशत गिरे हैं। यह बात सिर्फ बैंकों की कीमत की नहीं है और भी कई सवाल इससे उपजते हैं। बड़े घोटालों की खबरें सरकारी बैंकों से आ रही हैं।

पंजाब नेशनल बैंक से नीरव मोदी घोटाले में करीब 12,000 करोड़ रुपये गायब हुए। ऐसा नहीं है कि निजी क्षेत्र के बैंकों से नकारात्मक खबरें नहीं आतीं। पर उनके स्केल इतने बड़े नहीं होते। क्या है जो सरकारी बैंक तबाह हुए जा रहे हैं और उसी स्थिति में निजी बैंक लगातार फल-फूल रहे हैं? लगभग कल का बैंक एचडीएफसी बैंक हैसियत में स्टेट बैंक के दोगुने से भी ज्यादा हो गया। कुछ समय पहले तक छोटा माना जानेवाला कोटक महिंद्रा हैसियत में स्टेट बैंक से आगे निकल गया है। इन सवालों के जवाब तलाशने निकलें, तो कुछ और महत्त्वपूर्ण सवाल खड़े हो जाते हैं; जिनके जवाब तलाशना बहुत जरूरी है। उसी से भारत की वित्तीय व्यवस्था की बदतरी और बेहतरी के मसले जुड़े हैं। भारत की वित्तीय व्यवस्था बहुत तेजी से बदल रही है। कुछ साल पहले आये एक इलेक्ट्रानिक वालेट पेटीएम की ग्राहक संख्या करीब तीस करोड़ है। पेटीएम अगर देर सबेर पूरा कामर्शियल बैंक बन गया, जैसे स्टेट बैंक या कोटक महिंद्रा हैं, तो बैंकिंग की दुनिया में विकट उथल-पुथल होनी तय है।

इस उथल-पुथल का सबसे पहले निशाना बनेंगे सरकारी बैंक। वित्तीय तकनीक और आधार कार्ड के विशेषज्ञ नंदन निलकेनी का अंदाज है कि आनेवाले दस सालों में सरकारी बैंकों का बैकिंग कारोबार में हिस्सा 10 प्रतिशत रह जायेगा, यह हिस्सा अभी 70 प्रतिशत है। इससे मिलती जुलती बात कोटक महिंद्रा बैंक के कर्ता-धर्ता उदय कोटक ने कही है, जिसका आशय है कि अभी बैंकिंग में 70 प्रतिशत कारोबार सरकारी बैंकों के पास है और 30 प्रतिशत कारोबार निजी बैंकों के पास। अगले पांच सालों में निजी बैंकों के पास करीब पचास प्रतिशत कारोबार हो जायेगा। इन आंकड़ों के गहरे निहितार्थ हैं। नयी पीढ़ी सरकारी बैंकों के साथ कारोबार करने में इच्छुक नहीं है। खास कर उच्च शिक्षित प्रोफेशनल निजी बैंकों के साथ कारोबार करने में ज्यादा आसानी महसूस करते हैं। निजी बैंक उनकी जरूरतों के हिसाब बैंकिंग उत्पाद बनाकर उनके लिए पेश करते हैं और इसकी अच्छी खासी फीस वसूलते हैं। इस तरह से उनके मुनाफे लगातार बेहतर होते जाते हैं। सरकारी बैंकों पर सरकार की तमाम योजनाओं के बोझ हैं। करीब 9 करोड़ रुपये मुद्रा लोन दिये गये हैं। सरकारी बैंककर्मियों की मानें तो कई मामलों में इनके वापस आने की उम्मीद कम ही है। मुद्रा लोन बिना किसी सिक्योरिटी के दिये गये हैं। किसानों के कर्ज माफ होते हैं तो उनका बोझ भी सरकारी बैंकों पर ही अधिक पड़ता है।सरकारी बैंकों पर देश के अपेक्षाकृत कम संपन्न तबकों की सेवा का दायित्व है। निजी बैंक इससे मुक्त हैं। वे अपने ग्राहकों का चुनाव खुद कर सकते हैं। सरकारी बैंकों की मिल्कियत सरकार पर है, तो सरकार से जुड़े कई नेता एक्सपर्ट सरकारी बैंकों के निदेशक मंडल में होते हैं। इनका उद्देश्य बैंकों की लाभदायकता में इजाफा नहीं, अपने राजनीतिक हितों के संवर्धन में होता है। यानी बैंक होते तो वित्तीय संगठन हैं पर कई बार चलते हैं राजनीतिक हितों के आधार पर। सरकारी बैंकों के जो कर्ज डूबे हैं, उनके पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण रहा है। विजय माल्या खुद राज्य सभा के एमपी थे और लगभग हर बड़े राजनीतिक दल में उनकी सांठगांठ थी।

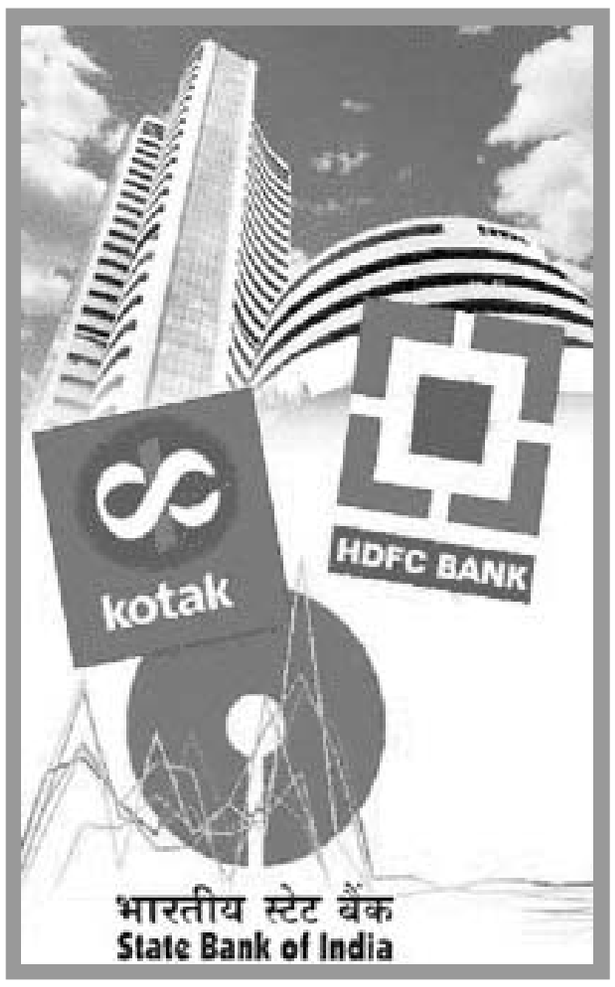

सरकारी बैंकों का कारोबार सिमटेगा, तो वह देर सबेर अप्रासंगिक हो जायेंगे। स्टेट बैंक तो एक अपवाद बैंक है, इसका कारोबार तो चलता रहेगा। पर कोई छोटे सरकारी बैंकों की हालत खराब होगी। बीएसएनएल और एमटीएनएल की तरह, जिनकी महत्ता निजी क्षेत्र के आने के बाद लगातार कम हुई। इस वक्त यह मांग भी जोर पकड़ रही है कि घाटे में चल रहे बैंकों को निजीकृत कर दिया जाये। इसकी एक वजह यह है कि करदाता का पैसा डूबते बैंकों पर लगाने के बजाय वहां लगाया जाये जहां जनता का ठोस भला हो सके। निजी क्षेत्र के बैंक अपने लाभ-हानि को लेकर ज्यादा चौकन्ने रहते हैं, तो वे अपने कारोबार को बेहतर ढंग से संभाल पायेंगे, यह तर्क भी दिया जाता है। पर मामला इतना सीधा नहीं है। निजी क्षेत्र के बैंकों ने तकनीक को बहुत तेजी से आत्मसात किया है। इस मुल्क की बड़ी आबादी तकनीक को आत्मसात नहीं कर पायी है। उनके लिए अभी भी सरकारी बैंक एक विकल्प हैं। आगामी दस सालों में अगर सरकारी बैंक कुल बैकिंग के दस प्रतिशत के स्तर पर आ जायेंगे, तो फिर आबादी के बड़े हिस्से के पास विकल्प बचेगा ही नहीं। सरकारी बैंकों को निजीकृत किये बगैर और किस तरह से बेहतर बनाया जा सकता है, इस पर सोचा जाना चाहिए। निजीकरण कई मर्जों का इलाज है, पर हर मर्ज का नहीं। निजीकरण से मुनाफा कमाया जा सकता है। पर देश में सरकारी बैंकों को सिर्फ मुनाफा कमाने का ही लक्ष्य नहीं दिया जाता, उनसे उम्मीद की जाती है कि वे समाज सेवा भी करेंगे। खेती भी सुधारेंगे।

नतीजे में कुछ न हो पाता है, न कारोबार हो पाता है, न समाज सेवा। सरकारी बैंकों की हालत पर अब गंभीरता से विचार होना चाहिए वरना जनता का अरबों का पैसा डुबाकर वह अंतत: अप्रासंगिक हो जायेंगे।

चलते चलते

हिन्दुस्तानी

हिन्दुस्तान में रहने वाला हिन्दुस्तानी और हिन्दुस्तानी एक भाषा। इंडियन या भारतीय किसी भाषा के नाम नहीं हैं, भाषा के विशेषण हो सकते हैं। -इंडियन की, भारतीय की और हिन्दुस्तानी की भासा में का फरक ऐ?-इंडियन अंग्रेजी बोलता है। भारतीय हिन्दी बोलता है। हिन्दुस्तानी जो मिली-जुली भाषा बोलता है, जिसमें हिन्दी, उर्दू और दूसरी लोकभाषाएं आ जाती हैं, उन्हें हिन्दुस्तानी कहते हैं। यही उत्तर चाहिए न आपको?

इंडियन, भारतीय और हिन्दुस्तानी में का फरक ऐ?-इंडिया में रहने वाले इंडियन, भारत में रहने वाले भारतीय, लेकिन हिन्दुस्तानी के दो अर्थ हैं। हिन्दुस्तान में रहने वाला हिन्दुस्तानी और हिन्दुस्तानी एक भाषा। इंडियन या भारतीय किसी भाषा के नाम नहीं हैं, भाषा के विशेषण हो सकते हैं। -इंडियन की, भारतीय की और हिन्दुस्तानी की भासा में का फरक ऐ?-इंडियन अंग्रेजी बोलता है। भारतीय हिन्दी बोलता है। हिन्दुस्तानी जो मिली-जुली भाषा बोलता है, जिसमें हिन्दी, उर्दू और दूसरी लोकभाषाएं आ जाती हैं, उन्हें हिन्दुस्तानी कहते हैं। यही उत्तर चाहिए न आपको? मैं सब समझता हूं चचा, लेकिन सवाल इतना आसान नहीं है। उत्तर बड़े उलझे हुए हैं।-का उलझन? बताय दै!-जब तक हमारे देश में जातिवाद, धार्मिक-विद्वेष, असमानता, अन्याय और अमानवीयता का अस्तित्व रहेगा, ऐसे प्रश्नोत्तर समय बिताने के लिए ही अच्छे हैं। भाषा तो किसी एक क्षेत्र में एक मनुष्य और दूसरे मनुष्य के बीच में होने वाले संवाद की सम्भावनाओं को सम्पन्न करने वाले सार्थक शब्दसमूह को कहते हैं। अलग-अलग लोगों की भाषाएं अलग-अलग होती हैं। लेकिन उनके अंदर इंसान और इंसानियत तो एक होती है। एक देश के इंसान अगर एक हैं तो अलग भाषाओं से कोई अंतर पैदा न होगा, क्योंकि वहां जुबानें जुदा-जुदा होने के बावजूद इंसान एक होगा। जब इंसान अलग-अलग हों और भले ही एक ही भाषा-भाषी हों, तो भी देश का कल्याण न हो सकेगा चचा! हम कभी भाषा के नाम पर, कभी जाति-धर्म के नाम पर झगड़ने लगते हैं। किसी भी भाषा का व्यवहार क्रोध, विरोध, प्रतिकार-प्रतिशोध या जीवन-शोध में हो सकता है। चाहिए एक प्रेम-प्रबोध! सभी भाषाएं मीठी हैं। अपनी नागरिकता बताने के लिए एक ही उत्तर होना चाहिए कि भारत में रहते हैं भारतीय हैं। हमें तीन-तीन उत्तर रखने की क्या जरूरत है। -गल्त बात! हमाई बगीची के जो बालक कॉमनवेल्थ गेमन ते सौने, चांदी और कांसे के पदक बटोर कै लाए ऐं वो इंडियन, भारतीय और हिन्दुस्तानी तीनों ऐं। अब बोल!

शिक्षा की प्राथमिकता

साल 65वीं केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की बैठक में हरियाणा के शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा पण्राली को और अधिक मजबूत करना एवं शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाने को अपनी अहम प्राथमिकता बताया था और यह दावा भी किया था कि है इस दिशा में प्रदेश के प्रयास सतत रूप से जारी है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री व केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष प्रकाश जावड़ेकर की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में देश भर के प्रतिनिधियों के बीच हरियाणा के शिक्षा मंत्री ने हरियाणा प्रदेश में शिक्षा के विकास एवं विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की गई योजनाओं का विवरण भी प्रस्तुत किया था। हालांकि इस दौरान उन्होंने अपनी उस कथित योजना का खाका प्रस्तुत करना जरूरी नहीं समझा, जिसमें नौनिहालों के प्रवेश के समय ''अनक्लीन प्रोफेशन' जैसे 100 प्रश्नों वाला एक फार्म भरवाने की बात कही गई है। दरअसल, हरियाणा में स्कूल में दाखिले के लिए भरे जाने वाले फॉर्म में जानकारियों के नाम पर ऐसी बातों को पूछा गया है, जिससें बड़ी संख्या में वंचित वर्ग के लोग अपमानित महसूस कर रहे है। भारत में सामाजिक और आर्थिक असमानता से पीड़ित लोग अपनी दुर्दशा को छुपाकर अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देना चाहते हैं। वंचित वगरे से संबंधित इन परिवारों का मानना है कि शिक्षा संस्थानों में उनके नौनिहाल दूसरे बच्चों के बीच बेहतर महसूस करें और उनका आत्मविास बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि उनके काम धंधे को महज मजदूरी तक ही सीमित रखा जाए। वहीं हरियाणा सरकार के 100 प्रश्न विचलित करने वाले है। जैसे-क्या माता-पिता किसी भी ''अस्वच्छ व्यवसाय' में शामिल हैं; क्या आनुवांशिक विकारों से पीड़ित हैं। यहीं नहीं बड़ी मुश्किल से गुजर बसर करने वाले इन बच्चों से माता-पिता का आधार नंबर, उनका पेशा और शैक्षिक योग्यता के बारे में पूछा गया है। इस फॉर्म में अभिभावक टैक्सदाता हैं या नहीं और उनके धर्म, जाति के बारे में भी पूछा गया है। यहीं नहीं आरक्षण को लेकर भी जानकारी मांगी गई है। जातीय भेदभाव और कम लिंगानुपात से जूझते इस में सामाजिक असामनता की जड़ें बेहद गहरी हैं। शिक्षा में इस प्रकार की जानकारियों से वंचित वर्ग बेहद खफा हैं। अनेक परिवारों का कहना है कि वे अपनी गरीबी, पिछड़ेपन और रोजी-रोटी के लिए किए जाने वाले कामों की छाया अपने बच्चों पर नहीं पड़ने देना चाहते। इस फार्म से प्रभावित अधिकांश वे कामगार हैं, जो गंदी बस्तियों में रहकर भी अपने बच्चों को ऊंची तालीम देना चाहते हैं।

महान विचारक स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि ''बालक को इस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे उसका चरित्र बने, बुद्धि का विकास हो, मानसिक शक्ति बढ़े और वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके। भारत में उन्नति का आधार जनसाधारण में शिक्षा और बुद्धि का प्रसार होना है। सरकार की यह जानकारियां नौनिहालों के मन में हीन भावना का संचार करने वाली है, जिससे अंतत: वे मानसिक रूप से कमजोर होंगे। इसके अंतर्गत दावा किया गया है कि राज्य में बड़े पैमाने पर शिक्षा को हाईटेक बनाया जा रहा है। हरियाणा के सभी शैक्षणिक संस्थानों की जानकारियां जल्द ही एप पर उपलब्ध होंगी। प्रदेश के करीब 30 हजार शैक्षणिक संस्थानों का हरियाणा सैटेलाइट एप्लिकेशन सेंटर ने डाटाबेस तैयार कर लिया है। यूनेस्को की नियंतग्र शिक्षा निगरानी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान चलन के आधार पर भारत में सार्वभौम प्राथमिक शिक्षा लक्ष्यों को 2050 तक हासिल किया जा सकेगा। जाहिर है वंचित वगरे को मानसिक तौर पर तोड़कर सार्वभौम विकास की कल्पना करना नामुमकिन है।

सत्संग

सामाजिक दायरे

लोगों को जाने-अनजाने उनकी संगत ही गढ़ती है। आपके ऊपर सिर्फ आपके परिवार और दोस्तों का ही नहीं, बल्कि सामान्य सामाजिक दायरे का भी असर पड़ता है। मैं तो कहूंगा कि आपके सामाजिक दायरे ने आपकी शख्सियत को नब्बे फीसद तक आकार दिया है। अपनी संगत चुनने का मतलब भेदभाव करना नहीं है, बल्कि सोच-समझ कर फैसला करना है कि आप कहां और किनके साथ होना चाहते हैं। निश्चित रूप से ऐसे लोगों के बीच होना कोई अच्छी बात नहीं है, जिनका स्वभाव इतना बाध्यकारी(विवशता से भरा) है कि आप उन्हें एडिक्ट मान लें, चाहे उन्हें जिस भी चीज का एडिक्शन।आपकी पूरी कोशिश विवशता से चेतनता की ओर बढ़ना है। बहुत बाध्यकारी(विवशता से भरे) स्वभाव वाले लोगों के साथ रहना इसमें मददगार नहीं होता। आप अभी तक उस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं, जहां आप बहुत बाध्यकारी लोगों के बीच रहते हुए भी अपने सिस्टम के स्तर पर पूरी तरह चेतन और अप्रभावित रह सकें। आप खुद एडिक्ट हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते। मुझे आशा है कि आप नहीं होंगे, लेकिन निश्चित रूप से यह कई रूपों में आप पर असर डालेगा। अगर बाहरी प्रभावों का कोई असर नहीं होता, तो कोई आश्रम बनाने की कोशिश क्यों करता? एक आश्रम का मकसद ऐसी जगह बनाए रखना है, जो किसी खास मक़सद के लिए समर्पित हो। आप चाहे जहां भी रहें, आपको अपना घर इस तरह बनाए रखना चाहिए कि वह आपके जीवन के मक़सद के लिए समर्पित हो। यह तब तक बहुत महत्त्वपूर्ण है, जब तक कि आप उस स्थिति तक नहीं पहुंच जाते हैं, जहां नर्क में जाने पर भी आप बिना उससे प्रभावित हुए बाहर आ सकें। फिलहाल आपकी प्रवृत्ति प्रभावित होने वाली है। सही तरह का स्पेस तैयार करना और जरूरत पड़ने पर नकारात्मक (बुरे) प्रभावों से दूर चले जाना आपके विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका अर्थ सिर्फ नशे की लत वाले लोगों से ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह के बाध्यकारी (विवशता से भरे) स्वभाव वाले लोगों से बचना है। लोग अपनी बाध्यताओं के वश में होते हैं।

फोटोग्राफी...

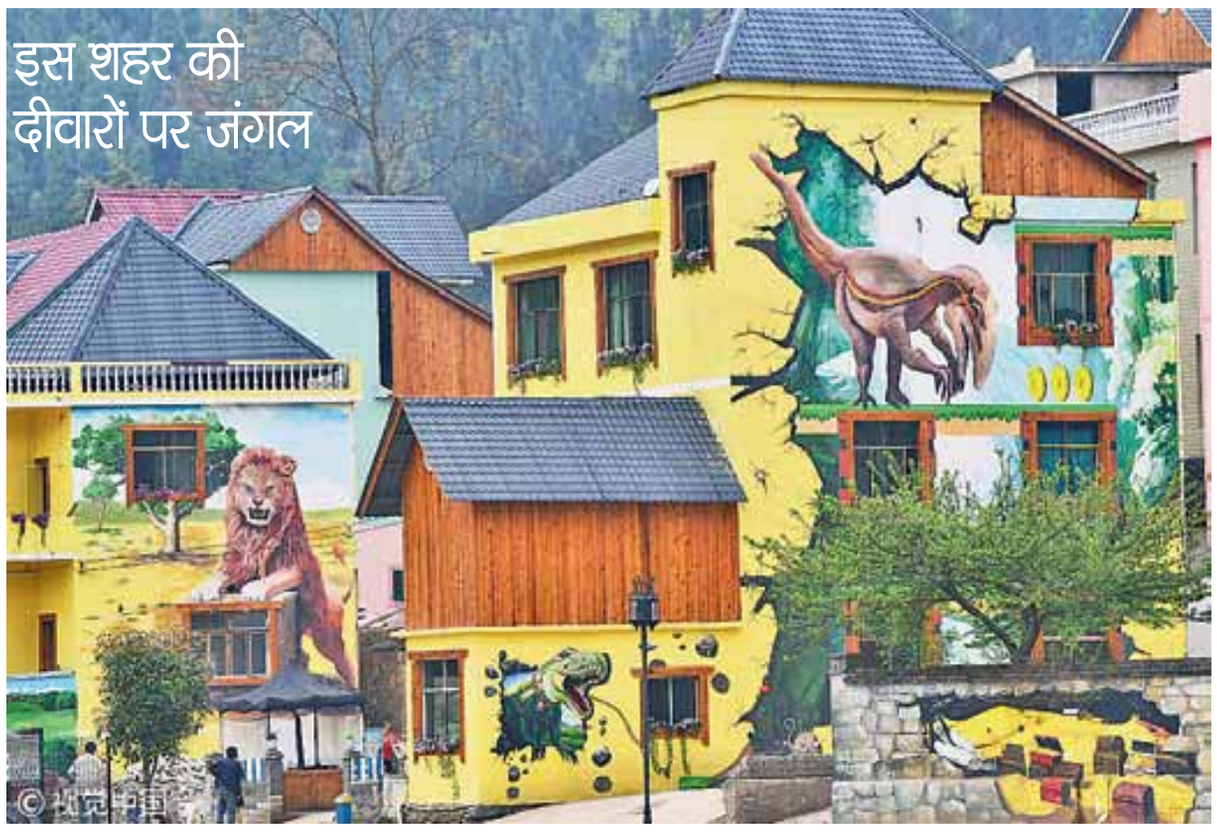

युपिंग में घर की दीवार पर थ्रीडी पेंटिंग...चीन के शहर युपिंग के एक घर पर की गई थ्रीडी पेंटिंग। इस घर के मालिक ने बताया कि उसने इंडोनेशिया के एक स्लम एरिया के घरों की दीवारों पर स्यूरल्स से प्रेरित होकर यह पेंटिंग तैयार की है ताकि घर को तो नया लुक मिले ही साथ ही टूरिस्ट भी इसे देखने आएं।

सार समाचार

उड़ान के बीच में फेल हुआ प्लेन का इंजन, बाल-बाल बचे पैसेंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के एक यात्री विमान का बीच हवा में इंजन फेल होने के कारण फिलेडेल्फिया में उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, साउथवेस्ट एयरलाइन्स का विमान बोइंग 737-700 मंगलवार को न्यूयॉर्क से डालास जा रहा था। इस दौरान बीच हवा में विमान का इंजन फेल हो गया। यात्रियों ने बताया कि विमान सुरक्षित लैंडिंग करने में सफल रहा, लेकिन इस बीच विमान में सवार एक शख्स घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है। साउथवेस्ट एयरलाइन्स ने एक बयान में कहा कि विमान में 143 यात्री और पांच क्रू सदस्य सवार थे। विमान कंपनी घटना के बारे में और अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। यात्रियों द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में विमान का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है।

चीन की नई चाल: हिमालय के रास्ते भारत-नेपाल-चीन आर्थिक गलियारा बनाना चाहता है बीजिंग

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने आज एक भारत-नेपाल-चीन आर्थिक गलियारे का प्रस्ताव किया। वह हिमालय के जरिये क्षेत्र में बहुआयामी संपर्क कायम करना चाहता है। माना जा रहा है कि वह ऐसा प्रस्ताव कर नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली नयी सरकार पर अपने प्रभाव को बढ़ाना चाहता है, जिनके बारे में माना जाता है कि वह चीन का समर्थन करते हैं। चीन का यह प्रस्ताव नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्वाली की अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात के बाद सामने आया है। संयुक्त प्रेस वार्ता में यी ने कहा, ''मुझे यह कहने दीजिए कि चीन और नेपाल ने हिमालय पार एक बहुआयामी संपर्क नेटवर्क स्थापित करने के दीर्घकालीन दृष्टिकोण पर सहमति जतायी है''। हाल में चुनाव के बाद नेपाल में ओली सरकार बनने के बाद ग्वाली अपनी पहली चीन यात्रा पर गए थे। वांग ने कहा कि चीन और नेपाल पहले ही चीन की कई डॉलर वाली बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) पर हस्ताक्षर कर चुका है जिसका एक हिस्सा संपर्क नेटवर्क के लिए सहयोग बढ़ाना भी है।

इराक में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट से संबंध रखने पर 300 से अधिक लोगों को मृत्युदंड

बगदाद (एजेंसी)। इराक की अदालतों ने आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंध रखने के लिए कई विदेशियों समेत 300 से अधिक लोगों को मौत की सजा सुनाई है। न्यायिक सूत्रों ने आज बताया कि संदिग्धों पर उत्तरी इराक के मोसुल में और बगदाद की अदालतों में मुकदमे चले। एक न्यायिक सूत्र के अनुसार , राजधानी में जनवरी से लेकर अब तक 97 नागरिकों को मृत्युदंड दिया गया और 185 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। मोसुल के समीप तेल कीफ की एक अदालत ने 212 लोगों को मौत की सजा सुनाई।

ज़्यूटी-ज़्यूटी गंजू-मंजू न्याणे

म्यांमार में मनाया गया पारंपरिक नया साल... म्यांमार के शहर यंगून में मंगलवार को पारंपरिक नववर्ष थिंग्यान शुरू होने पर श्वेदागोन पैगोडा में आए युवा बौद्ध भिक्षु। नए साल के जश्न यहां तीन-चार दिनों तक चलते हैं और यह सिंहली, थाई, तमिल और असमी नववर्ष के साथ ही मनाया जाता है। इस दौरान लोग थाई नववर्ष के समारोहों की तरह एक-दूसरे पर पानी फेंकते हैं जो यहां की प्रमुख रस्मों में से एक है। यंगून के श्वेदागोन पैगोडा में नए साल पर कई कार्यक्रम करवाए जाते हैं। इसे गोल्डन पैगोडा भी कहते हैं। सिंगुतारा पहाड़ी पर बसा यह पैगोडा म्यांमार का सबसे ज्यादा लोकप्रिय पैगोडा है।

जल्द होगी मुलाकात

डोनाल्ड ट्रंप ने की किम जोंग उन से बात

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से सीधी बात की है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिकी अधिकारियों ने उत्तर कोरिया के अधिकारियों से बात की है ताकि दोनों देशों के नेताओं के बीच मुलाकात को ऐतिहासिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि उन से मुलाकात के लिए पांच जगहों पर विचार किया जा रहा है। ट्रंप का कहना है कि उत्तर कोरिया के नेता से जून या उससे थोड़ा पहले भी मुलाकात हो सकती है। गौरतलब है कि ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम-जोंग-उन के साथ अगले महीने या जून के शुरुआत में मुलाकात की योजना बनाई है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मुलाकात उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वहीं डोनाल्ड ट्रंप और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उत्तर कोरिया के परमाणु चुनौती से निपटने के लिए समान रणनीति बनाने पर सहमति व्यक्त की है। उत्तर कोरिया के मुद्दे पर ट्रंप से चर्चा करने के लिए आबे यहां आने वाले हैं। इस दौरान व्यापार और चीन के साथ संबंधों को लेकर भी बातचीत होगी। टोक्यो से रवाना होने से पहले आबे ने कहा कि उत्तर कोरिया के मुद्दे पर अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारा सहयोग आर्थिक मामले में भी होगा। ट्रंप ने ट्वीट कर कहा आबे के साथ बैठक में व्यापार और सैन्य सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा होगी।

कठुआ, उन्नाव और सूरत रेप केस में इंसाफ की गूंज न्यूयॉर्क तक पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। कठुआ, उन्नाव और सूरत में बच्चियों के साथ हुई बलात्कार की घटनाओं के प्रति अपना आक्रोश जाहिर करने और तुरंत न्याय की मांग करते हुए अनेक संगठन, सिविल सोसायटी और विभिन्न धर्मों को मानने वाले संगठनों ने एक साथ मिल न्यूयॉर्क में जस्टिस रैली निकाली। यूनाइटेड फॉर जस्टिस रैली 'अगेंस्ट द रेप इन इंडिया' का आयोजन साधना (प्रगतिशील हिंदुओं का गठबंधन) ने नागरिक अधिकारों की वकालत करने वाले अन्य 20 समूहों के साथ मिलकर किया। रैली का आयोजन मशहूर यूनियन स्क्वायर पार्क में महात्मा गांधी की प्रसिद्ध मूर्ति के पास 16 अप्रैल को किया गया।

रैली में शामिल हुए वक्ताओं ने बच्चियों के साथ हुए भयावह बलात्कार की घटनाओं की निंदा की और हर एक परिवार के लिए जल्द से जल्द न्याय की मांग की। साधना की बोर्ड मेंबर सुनीता विश्वनाथ ने कहा कि आयोजकों को रैली से 10,000 डॉलर इकट्ठे होने की उम्मीद है जो उन्नाव , कठुआ और सूरत बलात्कार पीड़ितों के परिवारों को दिए जाएंगे।

अमेरिका: पगड़ी दिवस से सिख धर्म को मिलता है सम्मान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य कैरोलिन मैलोनी ने प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वेयर में वार्षिक पगड़ी दिवस कार्यक्रम के जरिए सिख संस्कृति के उत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सिख धर्म और परंपरा को सम्मान देते है जिसका वह ''हकदार है। मेलोनी सिखों और अमेरिका भारत लोक मामलों की समिति के अध्यक्ष जगदीश सहवानी के साथ न्यूयॉर्क के मशहूर स्थल पर सात अप्रैल को पगड़ी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुई। टाइम्स स्क्वेयर पर लोगों ने दक्षिण एशियाई संस्कृति और पगड़ी बांधने की कला का जश्न मनाया।

मेलोनी ने एक बयान में कहा, ''टाइम्स स्क्वेयर पर पगड़ी दिवस के लिए सिख समुदाय के साथ शामिल होना मेरी खुशकिस्मती है। उन्होंने कहा कि इस दिन का उनके लिए ''खास मतलब है क्योंकि यह बहुत वक्त पहले की बात नहीं है जब सिखों को सेना में सेवारत रहते हुए पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं थी। द सिख्स ऑफ न्यूयॉर्क ने लोगों को सिख धर्म और उनकी पहचान के बारे में शिक्षित करने तथा समानता का प्रचार करने के मकसद से वर्ष 2013 से ही शहर में पगड़ी दिवस का आयोजन कर रहे हैं। आठ घंटे में सबसे अधिक पगड़ी बांधने के लिए संगठन ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड से सर्टिफिकेट जीता है। आपको बता दें कि ये सिख मूल रूप से भारतीय हैं।

>>> नॉर्डिक सम्मेलन:

भारत-नॉर्डिक देशों ने संबंध मजबूत करने का संकल्प लिया

स्टॉकहोम। पीएम मोदी ने मंगलवार को स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, आइसलैंड और डेनमार्क के प्रधानमंत्रियों के साथ भारत एवं नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इन नेताओं ने सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा की। मोदी और पांच नॉर्डिक देशों के नेताओं ने भारत और स्वीडन की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किए गए पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, ' प्रधानमंत्रियों ने भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग बेहतर बनाने की प्रतिज्ञा ली और वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि, नवोन्मेष एवं जलवायु परिवर्तन से जुडे अहम मुद्दों पर अपनी चर्चा को फोकस किया।

उन्होंने माना कि नवोन्मेष एवं डिजिटल बदलाव एक-दूसरे से जुड़ी इस दुनिया में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाता है, जो भारत एवं नॉर्डिक देशों के बीच बढ़ते संबंधों में काफी अहम है।

नॉर्डिक देशों में डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सभी पांच नॉर्डिक देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। मोदी अपनी पांच दिवसीय विदेश यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे हैं। इसके बाद वह ब्रिटेन और जर्मनी जाएंगे।

स्वीडन ने भारत की एनएसजी सदस्यता की मांग का समर्थन किया

स्वीडन ने भारत की परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) की सदस्यता की मांग का समर्थन करते हुए नई दिल्ली के वासेनार अरेंजमेंट एवं मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था समेत हाल में अंतरराष्ट्रीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था में शामिल होने का स्वागत किया। स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के दौरान भारत को अपने देश का समर्थन देने की बात कही।

स्वीडन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार और सुधार के बाद उसमें भारत की स्थायी सदस्यता का भी समर्थन किया। 48 सदस्य देशों वाले परमाणु समूह में भारत की सदस्यता का मुख्य रूप से चीन यह कहते हुए विरोध कर रहा है कि भारत ने अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है।

नॉर्डिक देशों के साथ मोदी ने द्विपक्षीय बैठकें की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्डिक देशों फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में नॉर्डिक देशों के साथ व्यापार और निवेश एवं अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया।

मोदी ने भारत-नॉर्डिक शिखर बैठक के मौके पर अलग से द्विपक्षीय बैठकें कीं।

दो साल में 1.1 अरब डॉलर का निवेश करेंगी कंपनियां

स्टॉकहोम सिटी हॉल में मोदी ने स्वीडन के शीर्ष उद्योगपतियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मजबूत द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर साबित होंगे। भारत में स्वीडन के व्यापार आयुक्त कार्सटन ग्रोनब्लैड ने कहा कि करीब 30 सीईओ या कंपनियों के प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए। स्वीडन की कंपनियों ने अगले दो साल में भारत में 1.1 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल के दौरान स्वीडन की कंपनियां पहले ही भारत में डेढ़ अरब डॉलर का निवेश कर चुकी हैं।

ब्रिटेन में मोदी का होगा विरोध प्रदर्शनों से सामना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन की यात्रा के दौरान यहां के पार्लियामेंट स्क्वायर में विभिन्न समूहों ने कई प्रदर्शन करने की योजना बनाई है जिनमें जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आठ साल की एक लड़की से बलात्कार एवं हत्या की घटना की निंदा की जाएगी।

प्रदर्शन में एक मूक विरोध प्रदर्शन भी शामिल है। मूक प्रदर्शन का आयोजन ब्रिटेन के कुछ भारतीय महिला समूह कर रहे हैं।

फेसबुक, ट्विटर पर फेक अकाउंट का लगा सकेंगे पता

वाशिंगटन (एजेंसी)। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइटों पर किसी फर्जी अकाउंट का पता लगाना अब मुमकिन होगा। वैज्ञानिकों ने इस काम के लिए एक नया अल्गोरिद्म विकसित किया है। अध्ययन के मुताबिक यह तरीका उस धारणा पर आधारित है जिसके तहत माना जाता है कि फर्जी अकाउंट के जरिए लोग नेटवर्क में मौजूद दूसरे यूजरों को अजीबो- गरीब लिंक भेजने का काम करते हैं। इस्राइल की बेन-गुरियोन यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता दीमा कगान ने कहा, हाल के दिनों में यूजर की निजता को सुरक्षित रखने में नाकामयाबी की चिंताजनक खबरें और चुनावों को प्रभावित करने के लिए रूस द्वारा सोशल मीडिया के लक्षित इस्तेमाल की खबरों के साथ फेक यूजरों को उखाड़ फेंकना बहुत जरूरी हो गया है। कगान ने कहा, हमने हमारे अल्गोरिद्म की जांच 10 अलग-अलग सोशल नेटवर्कों पर मौजूद नकली और वास्तविक डाटा संग्रहों पर की और इसने दोनों पर ही अच्छे से काम किया। यह अध्ययन सोशल नेटवर्क एनालिसिस एंड माइनिंग पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

दुखद: पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश की मां और अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला बारबरा बुश नहीं रहीं

वाशिंगटन ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला और एक अन्य पूर्व राष्ट्रपति की मां बारबरा पियर्स बुश का निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थी। ह्यूस्टन में अपने घर में जब उन्होंने अंतिम सांस ली तो उनके साथ उनके पति पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज हर्बर्ट वॉकर बुश और बेटा एवं पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज वॉकर बुश परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौजूद थे। उनके पति के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला और पारिवारिक साक्षरता की पुरजोर समर्थक रहीं बारबरा पियर्स बुश का 92 वर्ष की आयु में मंगलवार, 17 अप्रैल 2018 को निधन हो गया।

बुश और बारबरा ने 73 साल पहले शादी की थी। वह 16 साल की उम्र में पहली बार बुश से मिली थीं और उस समय वह स्कूल में पढ़ती थी। उन्होंने वर्ष 1945 में शादी की जब नौसैन्य अधिकारी बुश छुट्टी लेकर आए। बयान में कहा गया है कि अंतिम संस्कार के बारे में जल्द से जल्द घोषणा की जाएगी। उनके परिवार में पति, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश समेत पांच बच्चे और उनका भाई स्कॉट पियर्स, 17 नाती-पोते और सात पड़पोते- पड़पोतियां हैं। पिछले कुछ वर्षों से वह फेफड़ों से संबंधित बीमारी से पीड़ित थीं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ने कहा कि एक पत्नी, मां, दादी-नानी, सैन्य अधिकारी की पत्नी और पूर्व प्रथम महिला के रूप में बारबरा बुश अमेरिकी परिवार की समर्थक थीं।

एक अन्य बयान में ट्रंप ने कहा कि पूर्व प्रथम महिला को व्हाइट हाउस , राष्ट्रपति पद और अमेरिका में एकता एवं गरिमा लाने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। मेलानिया ट्रंप ने भी बारबरा बुश के निधन पर शोक जताया है।

न्यूयॉर्क निवासी बारबरा बुश 1989 में प्रथम महिला बनीं जब उनके पति को अमेरिका का राष्ट्रपति चुना गया। वह 1993 तक प्रथम महिला रहीं। इसके बाद उनका बेटा जॉर्ज डब्ल्यू बुश भी वर्ष 2001 से 2009 तक अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर रहा।

जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने एक बयान जारी कर कहा कि उनकी ''प्रिय मां का निधन हो गया है और परिवार को उनकी कमी खलेगी''।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और प्रथम महिला मिशेल ने कहा कि वह जनता की सेवा में समर्पित परिवार का स्तंभ थीं।

सचीन जी.आई.डी.सी. पर अब रहेगी तीसरी आँख की नजर

सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी और नोटीफाईड एरिया लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ में CCTV सर्वेलंन्स

सूरत। सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी और नोटीफाईड एरिया लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ में CCTV सर्वेलंन्स से नई सिस्टम में कुल 70 केमेरा लगाने का आयोजन किया जा रहा हैं जिसकी कुल लागत मूल्य 23500000/- (दो करोड़ पैतीस लाख) के खर्च से सचीन जी.आई.डी.सी. के उधोगकारों की सलामती और सुरक्षा के लिये काम करेंगे. जिसका काम नोटीफाईड नियत एजेन्सी को दिया गया हैं.जो की CCTV केमेरा लगाने का कामकाज दो से तीन दिनों में शुरू हो जायेगा. CCTV केमेरा प्रोजेक्ट का काम सरकार श्री के S.O.R. और भाव एनालिसिस के तरह से टेन्डर प्रकिया से किया गया हैं, सारे प्रोजेक्ट की देखरेख और काम की गुणवत्ता की निगरानी गांधीनगर से G.I.D.C.ओफिस से नियुक्त किया गई तीसरे व्यकित के तरफ से देखरेख किया जायेगा.

गुजरात सरकार की पुरे राज्य में लगभग 205 इंडस्ट्रियल G.I.D.C में सबसे पहले यह सचिन इंडस्ट्रियल में पुरे क्षेत्रों CCTV केमेरा से निगरानी रखेंगी इस सुविधा से शुरूआत होने से सचिन के उधोगकारों के लिये एक डिजिटल इन्डिया में सहयोगी होने का सम्मान प्राप्त किया हैं.

लोगों को और प्रशासनिक उपयोग में भी सहयोग मिलेगा

आने-जाने वाले सभी वाहनों पर नंबर प्लेट पढने में मददगार होने से किसी प्रकार के गुनाहित कार्य करने वाले को भय रहेंगा पकडे जाने का. किसी प्रकार का घटनाओं अगर बनती हैं तो आरोपी को पकडने में पुलिस विभाग को मददगार होगा. सारे केमेरा का सिस्टम वायरलेस (WIFI) से जुड़े होंगे. जिससे पुरे विस्तार सचिन इंडस्ट्रियल G.I.D.C में निगरानी रखी जा सके. इस प्रोग्राम के तहत 30 दिन तक का रिकॉर्ड स्टोर रख सकते हैं. जिसका पुरे सिस्टम का नेटवर्क इंस्टोल और केमेरा का मोनिटरिंग सचीन नोटीफाईट ओफिस से किया जायेगा। बुलेट केमेरा सभी रिहायशी इलाके मुख्य गेट,आने-जानेवाले गेट-

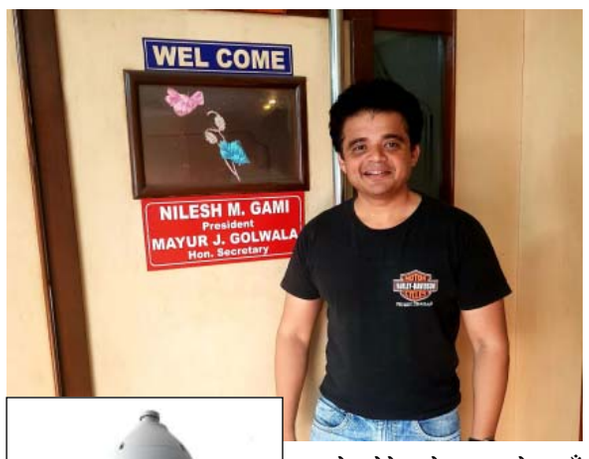

रास्ते ,छोटे-बडे चार रास्ते ,जहाँ पर भी चोरी होने का भय हो वह जगह (बैंक, ATM , सहित के अन्य जगह) रिहायशी इलाके के चारो तरफ की दिवालों जहाँ तक सचिन इंडस्ट्रियल का विस्तार हैं और पानी के प्लान्ट के ऊपर नजर रखेगा। PTZ केमेरा रिहायशी इलाके के सभी मुख्य चार रास्ते पर लगाई जायेगा। यह सारे जानकारी सचीन सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी के सेक्रेटरी मुयर जे गोलावाला ने दिया और जिससे चलते किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना,चोरी-लुट, या अन्य किसी भी तरह की गुनाहित कार्य करने वाले को पकडा जा सके. और वेपारी-कर्मचारी में एक सुरक्षित होने का अहसास हो साथ ही प्रधानमंत्री का डिजिटल इन्डिया का सपना भी पूरा किया।

कुल 66 बुलेट (Bullet) केमेरा लगाई जायेगा जिसकी कार्यप्रणाली इस तरह की रहेंगी

१. 2.8 से 12 रूू वेरीफिकेशन लेन्स (जांचकर्ता किसी भी प्रकार वाहन/व्यक्तिगत)
२. .IP 67 वेध्रर प्रूफ (सभी मोसम में कार्यरथ)
३. इनबिल्ट स्टोरेज केपेसिटी (केमेरा में ही डेटाबेस रिकोर्ड रहेंगा)
४. अल्ट्रा WDR

कुल 4 केमेरा PTZ (PAN TILT ZOOM) की लगाई जायेगा जिसकी कार्यप्रणाली इस तरह की रहेंगी

१. 360 डिग्री तक ऊपर से निचे के चारों दिशाओं में घूम कर सभी दिशाओं का नजर रखने में मददगार होगा.
२. 200 मीटर के रेंज में कार्यरत रहेंगा
३. 30X ओप्टिकल 200 मीटर
४. .IP 67 वेध्रर प्रूफ (सभी मोसम में कार्यरथ)
५. स्टेर लाईट टेक्नोलॉजी

कॉम्प्लेक्स के छत पिंर जुआ खेलते ३२ शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद, बोपल क्षेत्र में स्थित सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर जुआ खेलते ३२ जुआरियों को अहमदाबाद ग्राम्य एलसीबी ने गिरफ्तार किया है। गत दिन शाम को ग्राम्य एलसीबी और बोपल पुलिस ने संयुक्त रूप से छत पर छापेमारी करके जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके पास से २.७८ लाख रुपये कब्जे में लिया गया है। आश्चर्य की बात है कि, जुआरियों के मोबाइल फोन उनके पास से लिए गए थे।

जिसकी वजह से कोई इस मामले में पुलिस को नहीं दे सकता है। पुलिस ने सिर्फ उनके पास से नकद रकम कब्जे में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद ग्राम्य एलसीबी की टीम को जानकारी मिली है कि, बोपल क्षेत्र में आबाद नगर के सामने स्थित सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर कई शख्सों जुआ खेल रहे है। इस जानकारी के आधार पर गत दिन शाम को ग्राम्य एलसीबी और बोपल पुलिस की टीम सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर छापेमारी की थी और जुआ खेलते ३२ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की छापेमारी पर जुआरियों में भगदड़ मच गई थी। पुलिस ने जुआ खेलनेवाले शख्स के पास से नकद २.७८ लाख रुपये कब्जे में लिया गया है। पुलिस के बताये अनुसार निधराड गांव के निवासी अजित पटेल यह जुआअड्डा चलाता था। गिरफ्तार हुए जुआारी अहमदाबाद शहर, बावला, बोपल और साणंद के आसपास के निवासी है।

काजल मेहसाणा के वी.आर. पटेल कॉलेज में पढ़ती थी

लड़की पर तेजाब फेंकने के दोषी युवक को उम्रकैद

एसिड अटैक से आंखो की रोशनी चली गई थी और चेहरे के साथ-साथ उसकी बॉडी भी बुरी तरह से झुलस गई थी

अहमदाबाद, रिश्ता बनाने से इनकार करने पर गुजरात स्थित मेहसाणा की १८ वर्षीय लड़की पर तेजाब फेंकने के दोषी युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। हार्दिक नामक २३ वर्षीय युवक ने फरवरी २०१६ में कॉमर्स स्टूडेंट काजल प्रजापति पर तेजाब फेंक दिया था क्योंकि काजल ने उसका शादी का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

काजल पर हुए इस एसिड अटैक से उसकी आंखो की रोशनी चली गई थी और चेहरे के साथ-साथ उसकी बॉडी भी बुरी तरह से झुलस गई थी। मेहसाणा के वी.आर. पटेल कॉलेज में उस समय बीकॉम फर्स्ट इयर में पढ़ने वाली काजल का सपना था कि वह आईपीएस ऑफिसर बने। काजल के पिता रिक्शा ड्राइवर है और पूरे घर का खर्च चलाने का बोझ उन पर ही है। काजल पर एसिड फेंकने ाला हार्दिक काजल की भाभी का भाई है। वह लंबे समय से काजल के पीछे पड़ा था। काजल मेहसाणा के पास ही रामोसन गांव की और लड़का उसी जिले की वडनगर तालुका के शेखपुर गांव का रहने वाला था। हार्दिक प्रजापति पर भारतीय दंड संहिता की धारा ३२६ ए (स्थाई या आंशिक क्षति पहुंचाना या विकृत करना या जलाना) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वहीं काजल को नियम के मुताबिक ३ लाख रुपये का मुआवजा उपलब्ध कराया गया था।

बच्ची की पहचान का पता लगाने की कोशिश जारी

रेप केस : स्थानीय साड़ी व्यापारियों की मदद ली गई

बच्ची की तस्वीर वाले २५,००० पर्चे छपवाकर साड़ी के पैकट्स में रखे गए और अलग अलग राज्यों में भेज दि गए

सूरत, सूरत में ११ साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या की घटना ने पूरे देश में महिला सुरक्षा, खासकर रेप के मामलों को लेकर चल रहे गुस्से को और भड़का दिया। लोग विरोध करने सड़को पर उतरे, कहीं प्रदर्शन हुए तो कही कैंडल मार्च। इस सब के बीच सूरत में लोगो बच्ची की पहचान का पता लगाने के लिए कोशिशो में जूटे रहे। ऐसा ही कुछ कर रहे हैं यहा के साड़ी व्यापारी।

सेवा फाउंडेशन नाम के एनजीओ के संस्थापक ललित शर्मा ने बताया है कि सूरत पुलिस की मदद से बच्ची का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया, बच्ची की पहचान नहीं होने पर स्थानीय साड़ी व्यापारियों की मदद ली गई। बच्ची की तस्वीर वाले २५,०००

पर्चे छपवाकर साड़ी के पैकट्स में रखे गए और अलग अलग राज्यों में भेज दि गए। उन पर पुलसि अधिकारियों के नंबर और अन्य जानकारियां भी लिखी गई जिस कि अगर किसी के पास बच्ची से जुड़ी जानकारी हो तो वह संपर्क कर सके।

साड़ियों के पैकट उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा भेजे गए है। पुलसि कमिश्नर शर्मा ने बताया कि ऐसे ही पोस्टर पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जाने वाली ट्रेनों पर भी लगा दी गई है। इससे पहले सूरत के बिल्डर तुषार घेलानी ने बच्ची या दोषियों के बारे में जानकारी देने वालो को ५ लाख के इनाम देने की घोषणा की थी। सूरत के हीरा व्यापारी भी पुलिस से मिले थे और इनाम में और बड़ी रकम रखने के बारे में बात की थी। उधर, आंध्र प्रदेश के एक दंपति ने बच्ची को अपनी बेटी बताया था। यह पिछले साल अकूटबर में लापता था। पुलिस कमिश्नर सतीश शर्माने बताया था कि बच्ची के माता-पिता सूरत पहुंच गए है। इस बारे में पुख्ता जानकारी डीएनए टेस्ट होने के बाद ही दी जा सकती है। गौरतलब है कि बच्ची की लाश ६ अप्रैल को एक क्रिकेट ग्राउन्ड में झाडियों के पीछे मिली थी।

रात भर करती रही अपार्टमेंट के बाहर इंतजार

वरुण धवन से मिलने के लिए सूरत से भागी लड़की

सिक्यॉरिटी गार्डस उनकी बात वरुण तक नहीं पहुंचाई तो लड़की ने बिल्डिग के बाहर से चीखना-चिल्लाना शुरू किया

सूरत, शनिवार को सांताक्रूज पुलिस के हाथों १४ साल की एक लड़की लगी, जो सूरत स्थित अपने घर से भागकर सिर्फ वरुण धवन से मिलने के लिए उनके खार वाले घर के बाहर रात भर इंतजार करती रही। पुलिस ने बताया कि एक मैन्युफैक्चरर की बेटी वरुण धवन की बिल्डिग के बाहर पूरी रात इंतजार करती रही, ताकि वह अपने चहेते इस स्टार से मिल सके।

पुलिस ऑफिसर ने बताया, वह लड़की वरुण की बिल्डिग के बाहर बैठी रही और उनसे मिलने की जिद करती रही, जबकि सिक्यॉरिटी गार्डस ने उसे बताया कि वह फिलहाल घर पर नहीं है। जब लड़की को पता चला कि सिक्यॉरिटी गार्डस उनकी बातें वरुण के घर तक नहीं पहुंचा रहे, तो वह बिल्डिग के बाहर से ही चीखना-चिल्लाना शुरू कर दी। बिल्डिग के ही एक निवासी जिन्होंने लड़की शोरगुन मचाते देखा, उन्होंने इसकी जानकारी दी।

पुलिस छानबीन में पता चला कि वह लड़की सूरत के एक कपड़े के व्यापारी की बेटी है, जो शुक्रवार को चुपचाप अपने घर से भाग निकली थी।

सहायता की रकम अभिभावक के अकाउन्ट में जमा की जाएगी

अहमदाबाद, गरीब और वंचित समूह के बच्चों को कक्षा-१ में एडमिशन लेने के लिए कामकाज १९ अप्रैल से शुरू हो रही है। आरटीई के तहत एडमिशन लेनेवाले बच्चे के अभिभावक को सरकार द्वारा ३ हजार रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है। अब यह रकम सीधे अभिभावक के अकाउन्ट में जमा हो ऐसा निर्णय किया गया है। इसके पहले अभी तक स्कूलों को जो ग्रान्ट की रकम चुकायी जाती थी इस रकम में से स्कूलों को ३००० रुपये अभिभावकों को चेक देकर चुकाया जाता था, लेकिन स्कूलों द्वारा अभी ग्रान्ट नहीं आयी है सहित के एक बहाना के तहत अभिभावक को ३००० रुपये की रकम चुकाने में आनाकानी किया जाता था। आरटीई में वंचित समूह के बच्चों को निजी और ग्रान्टेड स्कूलों में एडमिशन दिया जाता है। विद्यार्थी स्कूल में एडमिशन ले उस समय में सरकार की ओर से स्कूलड्रेस, बूट, स्कूलबैग सहित की वस्तु लेने के लिए ३००० रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह खर्च की रकम प्रतिविद्यार्थी संबंधित स्कूल की ग्रान्ट में जोड़कर दी जाती थी।

५० लाख रुपये की फिरोती मांगी गई

जमीन दलाल के पास फिरोती मांगनेवाला शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद, शहर के रामोल क्षेत्र में जमीन दलाल के पास से ५० लाख रुपये की फिरोती मांगनेवाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

वस्त्राल क्षेत्र में स्थित राधेकिशन रेसिडेन्सी में रहते और जमीन की लेन-देन का काम करते गीरिशभाई ईश्वरभाई पटेल ने रामोल पुलिस स्टेशन में ५० लाख रुपये की फिरोती मांगनेवाले एक शख्स के विरूद्ध में शिकायत की है। शिकायत में लगाये गये आरोप के अनुसार, पांच वर्ष पहले नारोल में रहते राजुभाई हरीशभाई पटेल उनके मित्र ज हरूदीन उर्फ बाबर गफारभाई अंसारी को लेकर गीरिशभाई के घर आये थे।

जहरूदीन को रुपये की जरूरत होने से राजुभाई ने गीरिशभाई के पास से एक महीने के लिए दस लाख रुपये दिए थे।

एक महीने बाद जहरूदीन ने रुपये नहीं देने पर इसके बदले में गीरिशभाई को जमीन देने की बात की थी। गीरिशभाई ने ज हरूदीन की बात पर विश्वास करके दस लाख रुपये के बदल में ५६ लाख रुपये की जमीन खरीदी थी।

गीरिशभाई ने इस जमीन का उनकी मां जसीबहन वाडीलाल पटेल के नाम पर दस्तावेज कराया था। गीरिशभाई ने बाकी के ४६ लाख रुपये जहरूदीन को दे दिया था। दो वर्ष के बाद गीरिशभाई जमीन का कब्जा लेने के लिए गये तब युनूस नाम का व्यक्ति बीच में आया था और जमीन मेरी है उसने दावा किया है। युनूस को हटाने के लिए गीरिशभाई ने जहरूदीन को ढाई लाख रुपये दिए थे। गीरिशभाई ने युनूसभाई को भी अलग से डेढ़ लाख रुपये दिए थे। कुछ दिन पहले गीरिशभाई ने जहरूदीन को बुलाया था और जमीन के ५० लाख रुपये मांगे थे। गीरिशभाई ने रुपये देने से इन्कार करने पर जहरूदीन इसके लोगों द्वारा अक्सर धमकी देता था। ज हरूदीन की वसूली से परेशान होकर आखिर में गीरिशभाई ने रामोल पुलिस स्टेशन में फिरोती की शिकायत की है। गीरिशभाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत दिन जहरूदीन को गिरफ्तार करके जांच शुरू कर दी है।

राज्य के कई जिलो में एटीएम बंद के बोर्ड लगे

सूरत, गुजरात के कई जिलों में एटीएम खालीखम्म हो गए है। कई जगहों पर रुपए नहीं होने से मशीन बंद के बोर्ड लगा दिए गए है। कुछ जगह तो बैंकों में भी कम रुपए निकालने को कहा जा रहा है। कई जगह तो लोगों की प्रतिक्रिया इस तरह से सामने आ रही है जैसे नोटबंदी का दूसरा दौर हो।

पंचमहाल जिले की गोधरा सहित सभी तहसील में तीन दिनों से एटीएम खाली होने के कारण लोग परेशान है। विशेषकर विवाह के सीजन में ही इस प्रकार की परेशानी बढ़ने लगी है। एटीएम में कुछ रुपए आते भी है तो वह शीध्र खत्म हो जाते है। बैंकों की ओर से भी रुपए निकालने पर मर्यादा तय की गई है। इसे बावजूद रुपए की कमी से एटीएम खाली पडे है। ऐसे में नोटबंदी जैसा माहौल बना हुआ है। जिलेभर के अधिकतर एटीएम रुपए के अभाव में बंद पड़े है।

जामनगर की बात करे तो शहर में करीब १२५ एटीएम रुपए के अभाव में खाली पडे है। लोग अपनी आर्थिक जरुरत पुरी करने के लिए एटीएम के एटीएम सेंटर पर पहंचे तो वहां रुपए ही नहीं थे। दूसरी ओर ग्राहको ने सोचा कि दो दिनों की छुट्टी के चलते एटीएम खाली हो गए और बैंक खुलने के साथ ही एटीएम से रुपए निकलने लगेंगे, लेकिन मंगलवार को भी अनेक स्थलों पर ऐसी ही स्थिति देखने को मिली।

एटीएम सेंटर ही नही, अपितु बैंकों में भी रुपए की कमी देखने को मिली। हालांकि अहमदाबाद में स्थिति नियंत्रण में दिखी। उधर, सूरत, वडोदरा, हिम्मतनगर, महेसाणा, पालनपुर तथा पंचमहाल जिले के कई स्थानों पर एटीएम खाली होने की खबरें मिली।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com